बानसूर चर्म कलस्टर विकास परियोजना

परियोजना क्षेत्र	:	बानसूर इस्माईलपुर, घासोली, कराना एवं बान्धका, चतुरपुरा आदि
स्वीकृत राशि	:	83 लाख (रिलीज की गयी राशि 43.90 लाख)
व्यय राशि		29.47 लाख
दस्तकारों की संख्या	:	1,000 पुरूष एवं महिलाएं
परियोजना अवधि	:	3 वर्ष 2005–06 से 2008–09
क्लस्टर के प्रमुख उत्पाद	:	लैदर मौजडी, लैदर फुटवेयर, लैदर गुड्स चर्म रंगाई आदि।
सीएफसी भवन किराये	:	सामुदायिक भवन, इस्माईलपुर एवं घासौली, तहसील, किशनगढ, अलवर।
स्वयं सहायता समूह का गठन	:	इस्माईपुर 32, घासोली 7, बानसूर, कराना एवं बान्धका 9 SHG's (48)
दस्तकारों हेतु फेडरेशन का पंजीयन	:	इस्माईलपुर एवं चर्म उत्पादक विकास समिति घासोली।

- राज्य सरकार के वर्ष 2005–06 के विधान सभा बजट घोषणा में अलवर जिले के तहसील–बानसूर में चर्म रंगाई कार्य जिसमें बानसूर बांध का कराना, चतरपुरा के दस्तकारों को विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा नवीन तकनीक से चर्म रंगाई कार्य का कार्य।
- अलवर जिले की तहसील किशनगढबास के ग्राम–इस्माईलपुर एंव घासोली में पुरानी जूतियों के निर्माण में दस्तकारों को वर्तमान में मार्केट की मांग के अनुरूप मोजडी निर्माण एवं मोजडी पर विभिन्न प्रकार की आरी–तारी–कशीदाकारी एवं जरदोजी आदि का कार्य हेतु दस्तकारों की कार्यकुशलता एवं दक्षतावर्धन, डिजायनिंग कार्य, मार्केटिंग व्ययस्था हेतु चयन किया गया था।
- ग्राम–इस्माईलपुर/घासोली में दोनों स्थानों पर सीएफसी भवन किराये पर लेकर दस्तकरों हेतु मशीन, उपकरण,टूल–किट्स आदि की व्ययस्था कर अनुमोदित एक्सन प्लान के अनुरूप विभिन्न प्रकार की अनुमोदित गतिविधियों का संचालन कर क्षेत्रीय दस्तकारों के हितार्थ गतिविधियों का कियान्वयन किया गया जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:–
- कम्यूनिटी वर्कशाप, ओरियन्टेसन केम्प, एक्सपोजर विजिट आगरा, अहमदाबाद, चैन्नई, नोयडा आदि उन्नयन तकनीक प्रशिक्षण डिजाईन–डवलपमेन्ट प्रशिक्षण चर्म उक्त

तकनीक से रसायन उक्त बदबूरहित प्रशिक्षण लेकर गुड्स एवं फूट वियर में दक्ष प्रशिक्षित डिजायनर से प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेल्स प्रमोशन एवं विपणन असिसटेन्स राष्ट्रीय, जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय मेले प्रदशर्नियों में स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर द्वारा दस्तकारों की स्वास्थ्य जाचं एवं दवा वितरण कार्यक्रम केता एवं विकेता सम्मेलन कर सीधे दस्तकारों को जोडने सम्बन्धित कार्यक्रम।

- बानसूर कलस्टर में स्वीकृत सीएफसी भवन निर्माण हेतु भूमि का गूताग्राम, कराना, बाधका में चिन्हीकरण कर स्थापित करना चाह गया किन्तु स्थानीय नागरिको के विरोध के कारण भूमि का आंवटन नहो पाने के कारण उक्त प्रस्ताव निरस्त किया जा चुका है।
- उक्त परियोजना 3 वर्ष हेतु स्वीकृत थी जिसकी समय सीमा अवधि समाप्त होने के फलस्वरूप उद्योग विभाग से वित्तीय वर्ष में शेष गतिविधियों को कियान्वयन हेतु अनुमति चाही गई है जो आयुक्त उद्योग स्तर पर विचाराधीन है।